

पूर्व GILLETTE

जब उसे नौकरी पर रखा गया — पी एंड जी में बीस वर्षों केबाद आकर — तो उसे मुख्यालय में एक सप्ताह के प्रशिक्षण से गुज़ारा गया, ताकि कंपनी की हर प्रक्रिया से उसे परिचित कराया जा सके और उसके पद से जुड़ी हर उपयोगी जानकारी दी जा सके।

वह ग्राहक सेवा, ऋण, रसद, कार्मिक प्रबंधन, प्रबंध निदेशक के कार्यालय से होकर गुज़रा, और अंत में सामान्य बिक्री निदेशक के साथ इस चक्र को पूरा किया।

बाद में उसने मुझे जो बताया वह यह था कि जिलेट, कुछ दशकों से स्थिर पड़ी एक विशालकाय कंपनी होने के अलावा, भीतर एक विशाल संभावना भी रखती थी — एक ऐसी संभावना जिसे विकसित करने की ज़रूरत थी — और उसने अपना हिस्सा देने में देर नहीं की।

पर लोगों के प्रति एक विशेष सजगता भी थी: जहाँ वह कर्मचारियों, अधीनस्थों और वरिष्ठों के साथ एक पदानुक्रमित सीढ़ी की तरह काम करने का आदी था, वहाँ उसे बिक्री एजेंट नाम का एक चरित्र मिला। और सिर्फ भाषा को ही नहीं, पूरे रवैये को भी बदलना था: कभी आदेश या हुक्म नहीं, बल्कि शांति से अपना दृष्टिकोण रखना, और जहाँ कंपनी अनुमति दे, वहाँ प्रक्रियाओं की जानकारी देना।

वह एक कंपनी का आदमी था, और ढलना उसके लिए आसान था। पर उसने इससे भी आगे कुछ किया: उसने अपने क्षेत्र के सबसे युवा एजेंट में निवेश करने का फैसला किया, और मुझे अपना सबसे अच्छा शिष्य बना दिया।

उसके मेरे क्षेत्र प्रबंधक के रूप में बैठने के कुछ ही सप्ताह बाद, मैं खुद को कैतानिया के एक होटल के सम्मेलन कक्ष में पाता हूँ, मानो एक दूसरे नौकरी साक्षात्कार का सामना कर रहा हूँ, खुद को कहीं अधिक अनुभव, कॉर्पोरेट संस्कृति और प्रशिक्षण वाले किसी व्यक्ति के सामने आँकते हुए — क्योंकि पी एंड जी सिर्फ प्रबंधकों को प्रशिक्षित और निर्मित नहीं करती थी, वह हमेशा उन्हें विजेता पुरुष बनाती थी, और यही वह चिंगारी थी जिसने तब से मेरा ध्यान जलाए रखा।

मुझे याद है उसने कागज़ की एक शीट खोली और उस पर सेंट पैट्रिक का क्रॉस बनाया। मुझे लगा वह जहाज़ी लड़ाई खेलना चाहता है — इसके बजाय उसने लिखा: शक्ति क्षेत्र, कमज़ोरी क्षेत्र, सुधार क्षेत्र, क्षेत्र...

मैं जिलेट के हस्ताक्षर वाले बिक्री एजेंट अधिदेश के साथ पी एंड जी में प्रवेश कर रहा था — लगभग भाग्य की एक झलक — और यह पहली बार था जब मैंने किसी और कंपनी के लिए काम किया, फिर भी वेतन मेरी माँ की ओर से ही आता था।

यह परीक्षा ज़्यादा लंबी नहीं चली: सिर्फ दो साल, इतना काफ़ी था यह कहने के लिए कि मैंने कुछ सीखा, पर यह भी कि मैंने उसमें अपना कुछ जोड़ा।

फेर्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com